हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम एवं अध्यायवार अंको का विभाजन(2024-25)

कक्षा- 12वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत गायन कोड:638

सामान्य निर्देश:

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी।
2. वार्षिक परीक्षा 30 अंकों की होगी, प्रायोगिक/क्रियात्मक परीक्षा 50 अंकों की होगी और आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।
3. प्रायोगिक/क्रियात्मक परीक्षा 50 अंकों के लिए निम्न प्रकार से प्रश्न पूछे जायेंगे -
   i) 20 अंकों की प्रायोगिक/क्रियात्मक पुस्तिका।
   ii) किसी एक राग के शास्त्रीय परिचय के 05 अंकों की मौखिक परीक्षा।
   iii) किसी एक ताल का शास्त्रीय परिचय के 05 अंकों की मौखिक परीक्षा।
   iv) किसी एक राग और किसी एक ताल के (ध्रुपद या विलंबित ख्याल सहित) के क्रियात्मक ज्ञान के लिए 15 अंक।
   v) लोकगीत, वंदे मातरम (हारमोनियम पर) के मौखिक ज्ञान तथा क्रियात्मक परीक्षा के लिए 05 अंक।
4. आंतरिक मूल्यांकन के लिए निम्नानुसार आवधिक मूल्यांकन होगा:
   i) 04 अंकों के लिए - दो SAT परीक्षा आयोजित की जायेगी जिनका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 04 अंकों का भारांक होगा।
   ii) 02 अंकों के लिए एक अर्ध-वार्षिक परीक्षा आयोजित की जायेगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
   iii) दो अकों के लिए प्री-बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अकों का भारांक होगा।
   iv) 02 अंकों के लिए विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी) के लिए मूल्यांकन करेंगे और अधिकतम 02 अंक देंगे।

v) 05 अंकों के लिए छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जायेगा जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।

vi) 05 अंकों के लिए विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए जायेंगे।

75% से 80% तक - 01 अंक

80% से अधिक से 85% तक - 02 अंक

85% से अधिक से 90% तक - 03 अंक

90% से अधिक से 95% तक - 04 अंक

95% से अधिक से 100% तक - 05 अंक

पाठ्यक्रम संरचना (2024-25)

कक्षा- 12वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत गायन कोड:638

क्रम संख्या	अध्याय	अंक
1	संगीत संबंधी परिभाषाएं	06
2	गायन शैलियां	03
3	थाट,राग,गायक तथा वाग्गेयकार	03
4	रागों का समय सिद्धांत	03
5	तालों का अध्ययन	03
6	रागों का अध्ययन	12
7	संगीतज्ञों के जीवन परिचय	
8	संगीत का इतिहास व भविष्य में संभावनाएं	
कुल		30
प्रायोगिक परीक्षा		50
आंतरिक मूल्यांकन		20
कुल योग		**100**

अध्याय 1: संगीत संबंधी परिभाषाएं

1.वर्ण

- वर्ण की परिभाषा
- वर्ण के प्रकार व उनकाअध्ययन
- वर्णों की पहचान
- वर्णोंके द्वारा अलंकारों का निर्माण
- वर्णों का संगीत में महत्व

2.ग्राम

- ग्राम का शाब्दिक अर्थ तथा परिभाषा
- ग्राम के प्रकार
- ग्राम का महत्व

3.मूर्च्छना

- मूर्च्छनाका शाब्दिक अर्थ तथा परिभाषा
- मूर्च्छना के प्रकार
- ग्राम के द्वारा मूर्च्छनाकी उत्पत्ति तथा उनके नाम

4.गमक

- गमक, गमक की परिभाषा व प्रकार

5.मींड, मुर्की, कण, तथा खटका की परिभाषा

6. आलाप

7.तान, तान की परिभाषा तथा प्रकार

8.सम, ताली,खाली, आवर्तन,विभाग

9.स्वर लिपि की परिभाषा

- स्वरलिपिपद्धतियां, उनके अविष्कारक तथा भारतीय संगीत में स्वरलिपि का महत्व

अध्याय 2:गायन शैलियां

- ध्रुपद गायन शैली
  - ध्रुपद का शाब्दिक अर्थ परिभाषा उद्भव व्याख्या
  - ध्रुपद की वाणियांया तथा उनके संस्थापक
- तरानागायन शैली
  - तराना का शाब्दिक अर्थ परिभाषा व्याख्या व विशेषताएं
- लक्षण गीत की परिभाषा, भाग, विशेषताएं

अध्याय 3: थाट,राग,गायक तथा वाग्गेयकार

- थाट की परिभाषा,प्रकार, उनके नाम, 10 थाटो के स्वर, थाट के नियम
- राग की परिभाषा व नियम
- राग और थाट में अंतर
- गायकों के गुणों तथा अवगुणों का वर्णन
- वाग्गेयकार की परिभाषा तथा विशेषताएं

अध्याय 4: रागों का समय सिद्धांत

- पूर्व राग व उत्तर राग नियम
- संधी प्रकाश राग तथा उसके बाद गाए जाने वाले रागों का नियम
- अध्वदर्शक स्वर का नियम
- समय सिंद्धात की सार्थकता

अध्याय 5:तालों का अध्ययन

- ताल झपताल
- तालचौताल
- ताल धमार
- ताल एक ताल
    - उपरोक्त सभी तालों के शास्त्रीय परिचय
    - तालों की 1 गुण तथा 2 गुण
    - ताल को हाथ पर बजाने की क्षमता का विकास
    - दिए गए बोल समूह में से ताल पहचानना।

अध्याय6: रागों का अध्ययन

- राग देश,
- राग बिहाग,
- रागभूपाली
    - उपरोक्त प्रत्येक राग का संपूर्ण शास्त्रीय परिचय
    - उपरोक्त रागोंमें अलंकारों का निर्माण तथा उनका नियमित अभ्यास
    - उपरोक्त रागों के आरोह अवरोह पकड़ दो अलाप तथा दो ताने
    - उपरोक्त रागों की छोटे ख्याल की बंदिश तथा स्वर लिपियां
    - अपने पाठ्यक्रम के रागों में से दिए गए स्वर समूहों में से राग पहचानने की क्षमता
    - किसी एक राग में एक ध्रुपद अथवा एक विलबिंत ख्याल

अध्याय 7: संगीतज्ञों के जीवन परिचय

- पंडितशारंगदेव का जीवन परिचय
- पंडित ओमकारनाथ ठाकुर का जीवन परिचय
- पंडित जसराज का जीवन परिचय
- बड़े गुलाम अली खान का जीवन परिचय
- भारतीय संगीत क्षेत्र में स्वर कोकिला लता मंगेशकर जी का योगदान

अध्याय 8: संगीत का इतिहास व भविष्य में संभावनाएं

- मध्य काल से आधुनिक काल तक संगीत का इतिहास, संगीत परिजात के सदंर्भ में
- भविष्य में संगीत के क्षेत्र में संभावनाएं
- मध्यकाल भारतीय संगीत का स्वर्णयुग

प्रैक्टिकल

1. पाठ्यक्रम के सभी रागों का शास्त्रीय परिचय का ज्ञान
2. उनका नियमित अभ्यास, आरोह अवरोह पकड़ आलाप तथा तान सहित
3. प्रत्येक राग में कम से कम एक द्रुत ख्याल
4. पाठ्यक्रम के किसी एक राग में विलंबित ख्याल अथवा ध्रुपद
5. धीमी गति में राग मे आलाप गाने पर विद्यार्थी को उस राग की पहचान हो
6. ताल झप ताल चार ताल एक ताल वधमार की दुगुन लयकारी तक विद्यार्थी हाथ पर बजाने में सक्षम हो
7. एक लोकगीत
8. वंदे मातरम हारमोनियम पर

मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2024-25)

कक्षा- 12वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत गायन कोड:638

मास	विषय -वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश	प्रयोगात्मक कार्य
अप्रैल	वर्ण, ग्राम, मूर्छना, गमक,मींड, मुर्की, कण तथा खटका की परिभाषाएं	12	08	04
मई	आलाप,तान,सम, ताली,खाली,आवर्तन,विभाग, स्वरलिपि पद्धति, वंदे मातरम (हारमोनियम पर)	12	08	04
जून	ग्रीष्म कालीन अवकाश (गतिविधि आवंटित की जाए)			
जुलाई	ध्रुपद,तराना, लक्षण गीत, राग देश, चार ताल (प्रयोगात्मक ज्ञान सहित)	10	05	09
अगस्त	थाट,राग, गायक, वाग्गेयकार की विवेचना, रागों का समय सिद्धांत	12	06	06
सितंबर	दोहराई अर्धवार्षिक परीक्षा		12	
अक्तूबर	झप ताल, धमार तथा एक ताल (1 गुण तथा 2 गुण सहित) विद्यार्थी तालको हाथ पर बजाने में सक्षम हो।	08	04	12

	बिहाग तथा भूपाली का शास्त्रीय परिचय आरोह,अवरोह, पकड़ सहित			
नवंबर	दिए गए स्वर समूह में से राग पहचानना प्रत्येक राग के छोटा ख्याल की बंदिश स्वरलिपि तथाआलापवतान उपरोक्त किसी भी एक राग में विलंबित ख्याल तथा ध्रुपद (प्रायोगिक ज्ञान के साथ)	08	04	12
दिसंबर	पण्डित शारंगदेव, पंडित ओंकारनाथ ठाकुर, पंडित जसराज, बड़े गुलाम अली खान का जीवन परिचयतथा भारतीय संगीत में लता मंगेशकर जी का योगदान एक लोकगीत (प्रयोगात्मक ज्ञान के साथ)	12	06	06
जनवरी	मध्य काल से आधुनिक काल तक का संगीत का इतिहास संगीत परिजात के सदंर्भ में भविष्य में संगीत के क्षेत्र में संभावनाएं मध्यकाल भारतीय संगीत का स्वर्णयुग	06	02	06
फ़रवरी	**दोहराई**			
मार्च	**वार्षिक परीक्षा**			

नोट:

- **विषय शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि वे छात्रों को शब्दावली या अवधारणा की स्पष्टता को बढ़ाने के लिए अध्यायों में उपयोग की जाने वाली शब्दावली / परिभाषात्मक शब्दों की नोटबुक तैयार करने के लिए निर्देशित करें।**

प्रश्न पत्र प्रारूप(2024-25)

कक्षा- 12वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत गायन कोड:638

समय: 2½ घंटे

प्रश्न का प्रकार	अंक	संख्या	विवरण	कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**1**	**08**	02 बहु-विकल्पीय प्रश्न। 02 रिक्त स्थान भरो प्रश्न। 02 अभिकथन-कारण प्रश्न। 02 एक शब्दीय प्रश्न	08
अति लघुउत्तरात्मक प्रश्न	**02**	**04**	**प्रत्येक** प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	08
लघुउत्तरात्मक प्रश्न	**03**	**03**	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	09
दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न	**05**	**01**	प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	05
	कुल	**16**		**30**

BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA

Syllabus and Chapter wise division of Marks (2024-25)

Class-12th Subject: Hindustani Music (Vocal) Code: 638

General Instructions:

1. There will be an annual examination based on the entire syllabus.

2. The annual examination will be of 30 marks. The practical (practical) test will be of 50 marks and the internal assessment will be of 20 marks.

3. Practical (Practical) Examination for 50 marks, questions will be asked in the following manner.

i) Practical Booklet of 20 marks.
ii) 05 marks for viva about classical knowledge of any one raga.
iii) 05 marks for viva about classical knowledge of any one taal.
iv) 15 marks for working knowledge of any one raga and any one taal. (with one Dhrupad or one Vilambhit Khayal)
v) 5 marks for oral and practical test of folk songs, Vande Mataram (on Harmonium).

4. There will be periodic assessment for internal assessment as follows:

i) Two SAT exams will be conducted, which will have a weightage of 4 marks for the final internal assessment.
ii) A half yearly test will be conducted which will have a weightage of 2 marks for final internal assessment.
iii) A pre board exam will be conducted which will have a weightage of 2 marks for final internal assessment.
iv) For 2 marks- Subject teacher will assess and give maximum 02 marks for CRP (Classroom participation).
v) For 5 marks- A project work to be done by students and will have a weightage of 05 marks towards the final Internal Assessment.

vi) For 5 marks- Attendance of student will be awarded 05 marks as:

75% to 80% - 01 marks

Above 80% to 85% - 02 marks

Above 85% to 90% - 03 marks

Above 90% to 95% - 04 marks

Above 95% to 100% - 05 marks

Course Structure (2024-25)

Class-12th **Subject: Hindustani Music (Vocal)** **Code: 638**

Sr. No.	Chapter	Marks
1	Musical definition	06
2	Singing styles	03
3	Thaat, Raag, Singer and Vaggaykar (Composer)	03
4	Time theory of ragas	03
5	Study of Taalas	03
6	Study of Raagas	12
7	Biographies of musicians	
8	History of music and future prospects	
Total		30
Practical Examination		50
Internal Assessment		20
Grand Total		**100**

Chapter 1: Musical Definitions

1. Varna

- Definition of Varna
- Types of Varna and their study
- Character recognition
- Creation of Alankars by Varna
- Importance of letters in music

2. Graam

- Literal meaning and definition of Graam
- Types of Graam
- Importance of Graam

3. Murchhna

- Literal meaning and definition of Murchhna
- Types of Murchhna
- Origin of Murchchana by Graam and their names

4. Gamak

- Gamak, definition and types of Gamak

5. Definition of Meend, Murki, Kan, and Khatka

6. Aalaap

7. Taan, definition and types of Taan

8. Sam, Taali, Khaali , rotation (Aavartan) , Vibhag

9. Definition of Notation

- Swarlipis, their invention and importance of Swarlipis in Indian music

Chapter 2: Singing Styles

- Dhrupad Singing Style
- Literal Meaning of Dhrupad Definition Origin Explanation
- Dhrupad's Vaniyas and their founders
- Tarana singing style
- Literal meaning, definition, explanation and features of Tarana
- Definition, parts, characteristics of the Lakshan geet

Chapter 3: Thaat, Raga, Singer and Vaggaykar (Composer)

- Thaat definition, types, their names, Notes of 10 Thaats, rules of Thaat
- Definition and rules of raga
- Difference between raga and thaat
- Description of the merits and demerits of singers
- Definition and characteristics of Vaggaykar (composer)

Chapter 4: Timing Theory of Ragas

- Purva raga and Uttar raga rules
- Sandhi Prakash raga and the rules of ragas to be sung after it
- Rule of Adhavdharshak Swara

Chapter 5: Study of Taalas

- Taal Jhaptal
- Taal chautal
- Taal Dhamar
- Taal Ek Taal

Classical introduction to all the above taals

- Taalas One gun and two gun.
- Development of the ability to play the rhythm on the hands
- Recognisation of Taal from the given passage of Boles
-

Chapter 6: Study of Ragas

- Raag Desh,
- Raag Bihag,
- Raga bhupali
- Complete classical introduction of each of the above ragas
- Creation of Alankaar in the above ragas and their regular practice
- Two alaps and two Taans holding the ascension and descent of the above ragas
- Chhota khayal bandish and swaralipis of the above ragas
- Ability to identify ragas from given swara clusters from ragas in your syllabus
- At least One Dhrupad or One Vilambhit Khyaal in any of the prescribed Raagas.

Chapter 7: Biographies of Musicians

- Life introduction of Pandit Sharangdev
- Biography of Pandit Omkarnath Thakur

Life introduction of Pandit Jasraj

- Biography of Bade Ghulam Ali Khan
- Contribution of late Nightingale Lata Mangeshkar in the field of Indian music.

Chapter 8: History of Music and Future Prospects

- History of Music from the Middle Ages to the Modern Period (with brief study of Sangeet Parijaat)
- Future prospects in the field of music
- Golden period of Music as medieval period

Practicals

1. Knowledge of classical introduction of all ragas of the syllabus
2. Its regular practice, including ascension, descent, hold, alap and tan
3. At least one fast khayal in each raga
4. Vilambhit Khayal or Dhrupad in any one raga of the syllabus
5. On singing aalaap in a raga in slow tempo, the student should be able to identify that raga.
6. Student should be able to play on hand up to double rhythm of Taal Jhap Taal, Char Taal, Ek Taal and Dhamar Taal
7. A folk song
8. Vande Mataram on Harmonium

Monthwise Syllabus Teaching Plan (2024-25)

Class-12th Subject: Hindustani Music (Vocal) Code: 638

Month	Subject- content	Teaching Periods	Revision Periods	Practical Work
April	Definitions of Varna, Gram, Murchna, Gamak, Meend, Murki, Kan and Khatka	12	08	04
May	Aalap, Taan, Sam, Tali, Khali, Aavartan, Vibhag, Swarlipi Method, Vande Mataram (on Harmonium)	12	08	04
June	Summer Vacation (Activity to be Assigned)			
July	dhrupad, tarana, Lakshan geet, Raag desh and Char Taal (with practical knowledge)	10	05	09
August	Interpretation of Thaat, Raag, Singer, Vaggaykar, Timing Theory of Raags	12	06	06
September	(Revision) Half Yearly Exam		12	
October	Jhap Taal, Dhamar and Ek Taal (with 1 Guna and 2 Guna) Student should be able to play Talco on hand. Classical introduction to Bihag and Bhupali including ascension, descent, grip (Pakad)	08	04	12
November	Identifying a Raag from a given set of notes	08	04	12

	Bandish swaralipi and alap and taan of small khayal of each raga Vilambit Khayal and Dhrupad (with practical knowledge) in any one of the above ragas			
December	Life introduction of Pandit Sharangdev, Pandit Omkarnath Thakur, Pandit Jasraj, Bade Ghulam Ali Khan and contribution of Lata Mangeshkar in Indian music A folk song (with practical knowledge)	12	06	06
January	History of Music from the Middle Ages to the Modern Period (with brief study of Sangeet Parijaat) future prospects in music Golden period of Music as medieval period.	06	02	06
February	Revision			
March	Annual Examination			

Note:

- **Subject teachers are advised to direct the students to prepare notebook of the Terminology/Definitional Words used in the chapters for enhancement of vocabulary or clarity of the concept.**

Question Paper Design(2024-25)

Class-12th **Subject: Hindustani Music (Vocal)** **Code: 638**

Time: 2½ Hours

Type of Question	Marks	Number	Description	Total Marks
Objective type questions	**01**	**8**	02 Multiple choice questions. 02 Fill in the blanks Questions. 02 Assertion Reason Questions 02 One-word answer type questions	**08**
Very short answer type questions	**02**	**04**	All questions will be given with internal choice	**08**
Short answer questions	**03**	**03**	All questions will be given with internal choice	**09**
Long answerable Question	**05**	**01**	Question will be given with internal choice	**05**
	Total	**16**		**30**